

सूरसागर

85

19

आठवों संख्या

कथावाचस्पति पं० राधेश्याम दानप्रस्थी के सदुद्योग तथा हैदराबाद (दक्षिण) निवासी
श्रीमान् राजा पन्नालाल वंशीलाल पा. के दान से प्रकाशित



८११.२२
सूरसागर

नागरीप्रचारिणी सभा, काशी